डॉ० अनुजा कुमारी
(इतिहास विभाग)
एस० एन० एम० आर० के० एस कालेज
सहरसा

Scanned By Scanner Go

जाते थे। जबकि सिन्धु समाज में पत्थर का अभाव था लेकिन फिर भी वे लोग बाहर से पत्थर मंगवा कर समान बना लेते वहाँ हमें पत्थर के बटखरा भी मिले है। जिससे नाप तौल के काम किये जाते है।

(ii) **समाजिक कारण** – हड़प्पा संस्कृति से संबंधी स्थलों की खुदाई के अधार पर हम तत्कालीन समाजिक जीवन के बारे में जान सकते है। विश्व की अन्य सभ्यताओं की तरह ही सिन्धु सभ्यता का समाज भी वर्गविभेद पर अधारित था। क्योंकि खुदाईयों में हमें कुछ धनीयों के भी मकान मिले कुछ गरीबो के मकान मिले है। इससे ऐसा लगता है। कि वहाँ धनी वर्ग के लोग और गरीब वर्ग के लोग भी रहते थे। लेकिन परिवार संयुक्त होता था। क्यों कि खुदाई में बड़े-बड़े मकान मिले है। लेकिन जहाँ तक परिवार का पृत सत्तात्मक और मातृसत्तात्मक की बात है। तो इसके संबंध में एक मत नही है। लेकिन ऐसा लगता है। कि वहाँ का परिवार मातृसत्तात्मक था क्योंकि खुदाई में हमें स्त्रियो की बहुत सारी मृतयों नर कंकाल मिले है। सिन्धु घाटी के लोग खाने-पीने और वस्त्र आभुषण के सौखीन थे। गेहूँ और जौ उनके मुख्य भोजन होते थे। वे शाकाहरी एवं मंसाहारी दोनों होते थे। वे लोग विभिन्न प्रकार के फल शब्जीयाँ दूध मांस मछली भी

Scanned By Scanner Go

खाते थे भोजन पकाने और खाने के लिए मिट्टी का बर्तन का प्रयोग किया जाता था जहाँ तक वस्त्रों का सवाल है। वे लोग ऊनी और सुती दोनों प्रकार के वस्त्र पहनते थे। क्योंकि मोहन-जोदड़ो से प्राप्त एक पूजारी की मूर्ति मिली है। जो चादर से अपने शरीर को ओढ़े हुए है। इसे ऐसा लगता है। कि कमर के नीचे पुरुष धोती नीचे पहनते हैं। स्त्रियाँ कमर के में घंगरा पहनती हैं। ~~स्त्रियाँ~~ थी तथा सिर पर एक विशेष प्रकार का वस्त्र धारण करती थी। सिन्धुघाटी की एक विशेषता थी पुरुष और स्त्रियाँ आभुषण पहनती थी।

(iii) **धार्मिक कारण :-** सिन्धुघाटी के लोग बहु देव वादी प्रकृति पूजक थे इसी लिए वे अग्नी वृक्ष जल पशु आदि के पूजा करते थे। साथ-साथ वे ईश्वर की सिर जानतक की प्रतिक भक्ति की भावना प्रकट करती थी। साथ-साथ ही सिन्धुघाटी के लोग पशु, ~~खग~~ सरपों की पूजा करते थे। इसके साथ ही वे लोग ~~[illegible]~~ जल देवता की पूजा करते थे लेकिन इतनी उन्नत सभ्यता एका एक पतन हो जायगा इसकी जानकारी किसी को नहीं थी। विदेशीयों के आक्रमण आग और बाढ़ के कारण यह सभ्यता धीरे धीरे पतन के गर्त में समा गई। इतना ही नहीं बल्कि उस समय के सारे लोग मलेरिया रोग से ग्रसित हो गये थे मलेरिया रोग

Scanned By Scanner Go

से धीरे-धीरे लोगों को काल के गाल धकेल दिया।

इस प्रकार निष्कर्ष के तौर पर हम कह सकते है। कि सिन्धु घाटी सभ्यता का समाजिक, आर्थिक एवं धार्मि कारण महत्वपूर्ण है। यह सभ्यता एक उन्नत सभ्यता थी। इसी लिए तो इतिहास में इस सभ्यता का सर्व श्रेष्ट स्थान है। सबसे बड़ी बात तो यह है। कि आज के वर्तमान परिवेश में यह सभ्यता भारतीय सभ्यता मिलती जुलती सभ्यता थी।

THE END

Scanned By Scanner Go